



भारत का राजस्त्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 467] नई दिल्ली, सोमवार, अक्टूबर 23, 1978/कार्तिक 1, 1900

No. 467] NEW DELHI, MONDAY OCTOBER 23, 1978/KARTIK 1, 1900

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि अन्य अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation.

उच्चाग मंत्रालय

(आईआरआईक विकास विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 23 अक्टूबर, 1978

का. आ. 606(अ.)/18क/आईआईआर.ए./78.—उच्चाग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18क द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार भारत के भूतपूर्व आईआईक विकास मंत्रालय के आदेश सं. का. आ. 13(अ) किनांक 3 जनवरी, 1974 में निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त आदेश में कम संख्याएं 2 और 3, और उससे संबंधित प्रविधियों के स्थान पर निम्नलिखित कम संख्याएं और प्रविधियां रखी जाएंगी, अर्थात् :—

“2. श्री ए. एस. पुरी,
महाप्रबन्धक (योजना),
स्टॉट बैंक आफ इंडिया का स्थानीय मुख्य कार्यालय,
बम्बई।

3. श्री एच. एस. मेहता,
भारतीय जीवन शीमा निगम,
बम्बई।”

[सं. फा. 2/16/73-सी.यू.सी.]
पी. सी. नायक, संयुक्त सचिव,

MINISTRY OF INDUSTRY
(Department of Industrial Development)
ORDER

New Delhi, the 23rd October, 1978

S. O. 606(E)./18A/IDRA/78.—In exercise of the powers conferred by section 18A of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby makes the following further amendment in the Order of the Government of India in the late Ministry of Industrial Development No. S. O. 13(E) dated the 3rd January, 1974, namely :—

In the said Order, for serial Nos. 2 and 3 and the entries relating thereto, the following serial numbers and entries shall be substituted, namely :—

“2. Shri A. S. Puri,
General Manager (Planning),
Bombay Local Head Office,
State Bank of India.

3. Shri H. S. Mehta,
Life Insurance Corporation of India,
Bombay.”

[F. No. 2/16/73-CUC.]
P. C. NAYAK, Joint Secy.